प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार गुरुवंदना लिरिक्स

प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार,

श्लोक – गुरू ब्रह्म गुरु विष्णु,
गुरु देवो महेश्वर :,
गुरु साक्षात परब्रह्म,
तस्मै श्रीगुरूवै नम :।
ध्यानमूलं गुरुमूर्ति:,
पूजामूलं गुरु: पदम्,
मंत्रमूलं गुरूवाक्यं,
मोक्षमूलं गुरु कृपा।bd।

दोहा – अरे शब्द विवेकी पारखु,
मारे सिर माथे रा मोर,
सब संतो ने वंदगी,
भई अपनी अपनी ठोर।

एक पार ब्रह्म रे रूप चतुर धर,
अरे भई लीला रची रे अपार,
प्रणाम गुरू देंवजी ने बारम्बार,
बारम्बार मेरा बारम्बार,
प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार।bd।

अरे ब्रह्म रूप धरने वेद प्रकट कर,
रचीयो है सकल संसार,
प्रणाम गुरू देंवजी ने बारम्बार,
बारम्बार मेरा बारम्बार,
प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार।bd।

अरे विष्णु रूप धरने विश्व रो पालनहार,
अरे धर्म हेत अवतार,
सबरी करे है सहाय,
प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार,
बारम्बार मेरा बारम्बार,
प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अरे रूद्र रूप धरने दुष्ट दलन आव,
अरे भई करे है पल में प्रहार,
प्रणाम गुरू देंवजी ने बारम्बार,
बारम्बार मेरा बारम्बार,
प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार।bd।

अरे अचलूरामजी मुक्ति रे कारण,
अरे गुरू मूर्ती लेयजो धार,
प्रणाम गुरू देंवजी ने बारम्बार,
बारम्बार मेरा बारम्बार,
प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार।bd।

एक पार ब्रह्म रे रूप चतुर धर,
अरे भई लीला रची रे अपार,
प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार,
बारम्बार मेरा बारम्बार,
प्रणाम गुरू देवजी ने बारम्बार।bd।

प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com